चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक ..22..1..2021..पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....7-8.....

एचएयू में मशरूम उत्पादन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन

हिसार| मशरूम उत्पादन एक ऐसा सरल व्यवसाय है, जिसे महिला व पुरुष दोनों अपना सकते हैं। इसे परंपरागत खेती के साथ वैकल्पिक व्यवसाय के रूप में अपनाकर खेती में अतिरिक्त आमदनी ली जा सकती है। मशरूम व्यवसाय को कम रुपयों से शुरू किया जा सकता है और सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी स्तर पर बढ़ाया जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति के ओएसडी, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक एवं कृषि अभियांत्रिकी व तकनीकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने व्यक्त किए। वे एचएयू में प्रदेश के अनुसूचित जाति व जनजाति के उम्मीदवारों को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की देखरेख में किया गया। मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. निर्मल कुमार रहे। समापन कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने किया व डॉ. डीके शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया। इस अवसर पर डॉ. संदीप भाकर व डॉ. देवेन्द्र सिंह भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक .22...1...2021...पृष्ठ संख्या.....8.....कॉलम.....3-6.....

एचएयू के ब्रांड अम्बैसडर के रूप में काम करें प्रशिक्षणार्थी : डॉ.सिद्धपुरिया

● मशरूम उत्पादन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन

हिसार, 21 जनवरी (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति के ओएसडी, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक एवं कृषि अभियांत्रिकी व तकनीकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने कहा कि मशरूम उत्पादन एक ऐसा सरल व्यवसाय है जिसे महिला व पुरूष दोनों अपना सकते है। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश के अनुसूचित जाति व जनजाति के उम्मीदवारों को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में किया गया। मुख्यातिथि ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी प्रशिक्षणार्थी विश्वविद्यालय के ब्रांड एम्बेस्डर बनकर यहां से अर्जित ज्ञान को अपने आस-पास के सभी लोगों में बांटे। ज्ञान को जितना बांटोंगे यह उतना ही बढ़ता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से भविष्य में विश्वविद्यालय से जुड़े रहने व ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य को लघु स्तर पर अपनाकर ही सफल उद्यमी बना जाता है। उन्होंने संस्थान के वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान समय-समय पर जरूरत के हिसाब से बेरोजगार युवाओं व किसानों के लिए सभी तरह के प्रशिक्षण आयोजित करवाता रहता है।

प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र व सामान वितरित करते मुख्यातिथि।

मशरूम उत्पादन शुरू करने के लिए बांटा जरूरी सामान

इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में किया गया। संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ.अशोक गोदारा ने संस्थान में दिए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए संस्थान से जुडकर अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि इस दौरान मुख्यातिथि ने प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट व मशरूम उत्पादन कार्य शुरू करने लिए कम्पोस्ट, स्पान आदि जरूरी सामग्री वितरित की। मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. निर्मल कुमार रहे। समापन कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने किया व डॉ. डी.के. शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया। इस अवसर पर डॉ. संदीप भाकर व डॉ. देवेन्द्र सिंह भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ......अमर उजाला......

दिनांक ...22.1.2021... पृष्ठ संख्या ...2... कॉलम ...3-4...

कम रुपयों में मशरूम उत्पादन शुरू कर कमा सकते हैं अच्छा लाभ : डॉ. सिद्धपुरिया

प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र देते अतिथि। संवाद

हिसार(ब्यूरो)। मशरूम उत्पादन एक ऐसा सरल व्यवसाय है, जिसे महिला व पुरुष दोनों अपना सकते है। इसे परंपरागत खेती के साथ-साथ वैकल्पिक व्यवसाय के रूप में अपनाकर खेती में अतिरिक्त आमदनी ली जा सकती है। मशरूम व्यवसाय को कम रुपयों में शुरू किया जा सकता है और सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति के ओएसडी, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक एवं कृषि अभियांत्रिकी व तकनीकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने रखे।

वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश के अनुसूचित जाति व जनजाति के उम्मीदवारों को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की देखरेख में किया गया। संस्थान के सहनिदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने संस्थान में दिए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों की जानकारी दी। मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. निर्मल कुमार रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 22.1.2021...पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....7-8.....

एचएयू के ब्रांड एंबेसडर के रूप में काम करें प्रशिक्षणार्थी : डा. एमएस सिद्धपुरिया

जागरण संवाददाता, हिसार : प्रदेश के अनुसूचित जाति व जनजाति के उम्मीदवारों को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। इसमें बतौर मुख्यअतिथि कुलपति के ओएसडी व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक एवं कृषि अभियांन्त्रिकी व तकनीकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एमएस सिद्धपुरिया उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि सभी प्रशिक्षणार्थी विश्वविद्यालय के ब्रांड एम्बेस्डर बनकर यहां से अर्जित ज्ञान को अपने आस-पास के सभी लोगों में बांटे। ज्ञान को जितना बांटोंगे यह उतना ही बढ़ता है। मशरूम उत्पादन एक ऐसा सरल व्यवसाय है जिसे महिला व पुरूष दोनों अपना सकते है। इसे परंपरागत खेती के साथ-साथ वैकल्पिक व्यवसाय के रूप में अपनाकर खेती में अतिरिक्त आमदनी ली जा सकती है। मशरूम व्यवसाय को कम पैसे से शुरू किया जा सकता है। सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता हैं। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में किया गया था।

मशरूम उत्पादन शुरू करने के लिए बांटा जरूरी सामान

इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आरएस हुड्डा की देखरेख में किया गया। संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डा. अशोक गोदारा ने संस्थान में दिए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए संस्थान से जुड़कर अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि इस दौरान मुख्यातिथि ने प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट व मशरूम उत्पादन कार्य शुरू करने लिए कम्पोस्ट, स्पान आदि जरूरी सामग्री वितरित की। मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण के संयोजक डा. निर्मल कुमार रहे। समापन कार्यक्रम का संचालन डा. सुरेन्द्र सिंह ने किया व डा. डीके शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**21.01.2021**	--	--

ज्ञान को जितना बांटोगे यह उतना ही बढ़ता है : सिद्धपुरिया

हिसार/21 जनवरी/रिपोर्टर

मशरूम उत्पादन एक ऐसा सरल व्यवसाय है जिसे महिला व पुरूष दोनों अपना सकते हैं। इसे परंपरागत खेती के साथ-साथ वैकल्पिक व्यवसाय के रूप में अपनाकर खेती में अतिरिक्त आमदनी ली जा सकती है। मशरूम व्यवसाय को कम पैसे से शुरू किया जा सकता है और सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति के ओएसडी, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक एवं कृषि अभियांत्रिकी व तकनीकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने कहे। वे स्वरोजगार स्थापित करने के उद्देश्य से सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। मुख्यातिथि ने कहा कि सभी प्रशिक्षणार्थी विश्वविद्यालय के ब्रांड एम्बेस्डर बनकर यहां से अर्जित ज्ञान को अपने आस-पास के सभी लोगों में बांटे। ज्ञान को जितना बांटोगे यह उतना ही बढ़ता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से भविष्य में विश्वविद्यालय से जुड़े रहने व ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य को लघु स्तर पर अपनाकर ही सफल उद्यमी बना जाता है। उन्होंने संस्थान के वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान समय-समय पर जरूरत के हिसाब से बेरोजगार युवाओं व किसानों के लिए सभी तरह के प्रशिक्षण आयोजित करवाता रहता है। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि इस दौरान मुख्यातिथि ने प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट व मशरूम उत्पादन कार्य शुरू करने लिए कम्पोस्ट, स्पान आदि जरूरी सामग्री वितरित की। मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. निर्मल कुमार रहे। समापन कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने किया व डॉ. डीके शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया। इस अवसर पर डॉ. संदीप भाकर व डॉ. देवेन्द्र सिंह भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**21.01.2021**	--	--

एचएयू में मशरूम उत्पादन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन

एचएयू के ब्रांड एम्बेसडर के रूप में काम करें प्रशिक्षणार्थी : डॉ. सिद्धपुरिया

पांच बजे न्यूज

हिसार। मशरूम उत्पादन एक ऐसा सरल व्यवसाय है जिसे महिला व पुरूष दोनों अपना सकते है। इसे परंपरागत खेती के साथ-साथ वैकल्पिक व्यवसाय के रूप में अपनाकर खेती में अतिरिक्त आमदनी ली जा सकती है। मशरूम व्यवसाय को कम पैसे से शुरू किया जा सकता है और सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति के ओएसडी, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक एवं कृषि अभियांत्रिकी व तकनीकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश के अनुसूचित जाति व जनजाति के उम्मीदवारों को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में किया गया। मुख्यातिथि ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी प्रशिक्षणार्थी विश्वविद्यालय के ब्रांड एम्बेस्डर बनकर यहां से अर्जित ज्ञान को अपने आस-पास के सभी लोगों में बांटे। ज्ञान को जितना बांटोंगे यह उतना ही बढ़ता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से भविष्य में विश्वविद्यालय से जुड़े रहने व ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य को लघु स्तर पर अपनाकर ही सफल उद्यमी बना जाता है। उन्होंने संस्थान के वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान समय-समय पर जरूरत के हिसाब से बेरोजगार युवाओं व किसानों के लिए सभी तरह के प्रशिक्षण आयोजित करवाता रहता है।

मशरूम उत्पादन शुरू करने के लिए बांटा जरूरी सामान

इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में किया गया। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण)डॉ.अशोक गोदारा ने संस्थान में दिए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए संस्थान से जुड़कर अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि इस दौरान मुख्यातिथि ने प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट व मशरूम उत्पादन कार्य शुरू करने लिए कम्पोस्ट, स्पान आदि जरूरी सामग्री वितरित की। मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. निर्मल कुमार रहे। समापन कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने किया व डॉ. डी.के. शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया।

इस अवसर पर डॉ. संदीप भाकर व डॉ. देवेन्द्र सिंह आदि भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**21.01.2021**	--	--

एचएयू के ब्रांड एम्बेसडर के रूप में काम करें प्रशिक्षणार्थी : डॉ. एमएस सिद्धपुरिया

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। मशरूम उत्पादन एक ऐसा सरल व्यवसाय है जिसे महिला व पुरूष दोनों अपना सकते हैं। इसे परंपरागत खेती के साथ-साथ वैकल्पिक व्यवसाय के रूप में अपनाकर खेती में अतिरिक्त आमदनी ली जा सकती है। मशरूम व्यवसाय को कम पैसे से शुरू किया जा सकता है और सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता है। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति के ओएसडी, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक एवं कृषि अभियांन्त्रिकी व तकनीकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एम. एस. सिद्धपुरिया ने कहे। वे हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। मुख्यातिथि ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी प्रशिक्षणार्थी विश्वविद्यालय के ब्रांड एम्बेस्डर बनकर यहां से अर्जित ज्ञान को अपने आस-पास के सभी लोगों में बांटे। ज्ञान को जितना बांटोंगे यह उतना ही बढ़ता है।

संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने संस्थान में दिए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए संस्थान से जुड़कर अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। इस दौरान मुख्यातिथि ने प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट व मशरूम उत्पादन कार्य शुरू करने लिए कम्पोस्ट, स्पान आदि जरूरी सामग्री वितरित की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**21.01.2021**	--	--

एचएयू के ब्रांड एम्बेसडर के रूप में काम करें प्रशिक्षणार्थी : डॉ. सिद्धपुरिया

मशरूम उत्पादन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। मशरूम उत्पादन एक ऐसा सरल व्यवसाय है जिसे महिला व पुरूष दोनों अपना सकते है। इसे परंपरागत खेती के साथ-साथ वैकल्पिक व्यवसाय के रूप में अपनाकर खेती में अतिरिक्त आमदनी ली जा सकती है। मशरूम व्यवसाय को कम पैसे से शुरू किया जा सकता है और सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति के ओएसडी, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक एवं कृषि अभियांत्रिकी व तकनीकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने कहे।

वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश के अनुसूचित जाति व जनजाति के उम्मीदवारों को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में किया

गया। मुख्यातिथि ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी प्रशिक्षणार्थी विश्वविद्यालय के ब्रांड एम्बेस्डर बनकर यहां से अर्जित ज्ञान को अपने आस-पास के सभी लोगों में बांटे। ज्ञान को जितना बांटोंगे यह उतना ही बढ़ता है।

मशरूम उत्पादन शुरू करने के लिए बांटा जरूरी सामान : इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में किया गया। संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ.अशोक गोदारा ने संस्थान में दिए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए संस्थान से जुड ?र अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि इस दौरान मुख्यातिथि ने प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट व मशरूम उत्पादन कार्य शुरू करने लिए कम्पोस्ट, स्पान आदि जरूरी सामग्री वितरित की।